



# TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 46

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad  
केन्द्र एवं उ०प्र० सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week

देश में 25 मार्च को जब लॉकडाउन घोषित गया था उस दिन तक कोरोनावायरस से 657 लोग संक्रमित थे। 23 अप्रैल को लॉकडाउन के 30 दिन पूरे हुए तो यह संख्या बढ़कर 23 हजार 39 तक पहुंच गई। इस तरह पाबंदियों के पहले एक महीने में 22 हजार मामले सामने आए।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2

रीजनल रैपिड रेल कॉरिडोर के निर्माण कार्य के लिए...

पेज नंबर 5

Now, a robot to assist in giving medicines, food ...



हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें  
0120-4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें  
0120-2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें  
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर  
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम  
0120-2783098

निजी लैब कोरोना के दो सैंपल लें, एक विभाग को भेजें

गाजियाबाद : निजी लैब को अब कोरोना के संदिग्ध के एक साथ दो सैंपल लेने होंगे। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि एक सैंपल की लैब खुद जांच करें और दूसरा तुरंत स्वास्थ्य विभाग को भिजवाना सुनिश्चित करें। सीएमओ ने कहा कि इस तरह से कोरोना के नतीजे अधिक सटीक होंगे और किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका भी खत्म हो जाएगी। सीएमओ ने बताया कि बीते दिनों मैक्स, वैशाली ने अपने यहां भर्ती दिल्ली की महिला का सैंपल लिया था और उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के 12 घंटे बाद रेफर कर दिया गया, लेकिन इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को नहीं दी गई। अन्य माध्यमों से इस बारे में पता चला था। दो सैंपल के आदेश के बाद इस तरह की लापरवाही का गुंजाइश भी खत्म हो जाएगा।

## एक महीने में 3 से 55 पर पहुंच गई कोरोना संक्रमितों की संख्या

सावधानी बरतते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम जुटी है कोरोना संक्रमित लोगों की जांच करने में

गाजियाबाद : लॉकडाउन के तीस दिन पूरे होने पर जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या तीन से सीधे 55 पर पहुंच गई है। 24 मार्च को यहां केवल तीन कोरोना पॉजिटिव थे और संदिग्धों का आंकड़ा 75 था। लॉकडाउन लागू होने पर संदिग्धों की जांच में तेजी आई। यही वजह रही कि एक महीने के भीतर कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 55 पर पहुंच गई है, वहीं संदिग्धों की संख्या तीन हजार से अधिक हो गई है। कोरोना के डर के बीच स्वास्थ्य विभाग के लिए मरीजों का उपचार किया जाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन सावधानी बरतते हुए विभाग की टीमें उपचार करने में जुटी रहीं। सीएमओ डा.एन के गुप्ता के मुताबिक अब तक 16 मरीज ठीक हुए हैं।

लॉकडाउन के तीस दिन का आंकड़ा					
तिथि	मरीज	संदिग्ध	विदेश से आए	सैंपल	स्वस्थ हुए
24मार्च	03	75	565	75	02
24अप्रैल	55	3175	2451	1995	16

सीमाओं से लेकर आंतरिक सड़कों तक रही सख्ती

साहिबाबाद : लॉकडाउन के मद्देनजर शुक्रवार को ट्रांस हिंडन में काफी सख्ती रही। सीमाओं से लेकर आंतरिक सड़कों पर बैरियर लगाकर पुलिस जांच-पड़ताल करती रही। दिल्ली से गाजियाबाद में आवाजाही पर पूरी तरह से (आवश्यक वस्तुओं व अपरिहार्य कारणों व वैध पास को छोड़कर) पाबंदी रही। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने मंगलवार से दिल्ली से आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। यूपी गेट,

काटे गए चालान

लॉकडाउन को सख्ती से पालन कराने के लिए मुख्य व आंतरिक सड़कों पर लगाए गए बैरियरों से शुक्रवार को बिना जांच पड़ताल के लोगों को नहीं आने-जाने दिया गया। इस दौरान बिना किसी जरूरी काम के निकले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मोटरसाइकिल पर एक से अधिक व कार में दो से अधिक सवारी मिलने पर उनका चालान काटा गया। इस दौरान लोग निकलने के लिए पुलिस कर्मियों से बेवजह बहस भी करते रहे, जिससे पुलिस कर्मियों को काफी परेशानी हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया है कि अधिक सवारी बैठाकर चलने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

## कोरोना संक्रमित मिलने पर दो सोसायटियां सील

साहिबाबाद : कोरोना वायरस से संक्रमित मिलने पर बृहस्पतिवार को ट्रांस हिंडन के वैशाली व इंदिरापुरम में दो सोसायटियों को प्रशासन ने सील कर दिया। लोगों के सोसायटी से बाहर आने जाने पर रोक लगा दी गई है। सोसायटी के गेट पर पुलिस तैनात है। वहीं, दोनों सोसायटियों को सैनिटाइज कराया गया है। वैशाली सेक्टर पांच स्थित सुपरटेक रेजीडेंसी सोसायटी में बृहस्पतिवार दोपहर पहुंची प्रशासन की टीम ने सीड़खलंग का नोटिस चस्पा किया। सोसायटी में रहने वाले कृष्ण कुमार ने बताया कि कैंसर पीड़ित एक महिला को कोरोना पॉजिटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैंसर पीड़ित महिला के

परिवार का भी सैंपल लेकर होम क्वारंटाइन किया गया है। उनकी रिपोर्ट आनी बाकी है। इसके बाद सोसायटी को सील कर दिया गया। नगर निगम की ओर से पूरी सोसायटी को सैनिटाइज किया गया है। सोसायटी में करीब 300 फ्लैट हैं, जिनमें 600 से अधिक लोग रहते हैं। वहीं, दूसरी ओर इंदिरापुरम के अहिंसा खंड दो स्थित एगर्जेंटिका एलिगेंस सोसायटी में एक महिला की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। सोसायटी में रहने वाली शैली सिंह ने बताया कि ई-टावर को बृहस्पतिवार को प्रशासन की ओर से सील कर दिया गया। इस चावर में 84 फ्लैट हैं। इस टावर के लोग सोसायटी में घर से बाहर नहीं निकल सकते।

## KV teacher travels 1,000 km from Jammu to cremate father in UP

GREATER NOIDA: A Kendriya Vidyalaya teacher posted in Jammu had to undertake an over 1,000km journey by road to perform his father's last rites in their native district of Lakhimpur Kheri in UP. On April 18, Ashish Khare got a call from his younger brother from Lakhimpur Kheri that their father had passed away after battling cancer for a prolonged period. And thanks to the Greater Noida Authority helpline for migrants, he was able to reach Lakhimpur Kheri a day later to conduct the last rites of his father, despite the Covid-19 lockdown. "At first

I thought of skipping the cremation. I had to cross four states to get to Uttar Pradesh. But I was the elder son. Also even the immediate kin said it would be difficult to attend the cremation due to the lockdown. My younger brother pleaded with me to come over somehow," Ashish told TBC over the phone on Wednesday. Ashish said he learned about the helpline number, which had been set up by UP government to help the stranded migrants. He dialled the helpline number operational at the Greater Noida Industrial Development Authority.



## रीजनल रैपिड रेल कॉरिडोर के निर्माण कार्य के लिए एसओपी तैयार

गाजियाबाद : दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड रेल कॉरिडोर का निर्माण करने के लिए काफी प्रयास के बाद जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पा रही है। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने कोरोना से बच कर काम करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर लिया। जिससे काम करते वक्त इंजीनियर, श्रमिक और अन्य कार्मिकों के बीच शारीरिक दूरी बनी रहे। मास्क पहनना सबके लिए अनिवार्य किया जाएगा। इसके अलावा सैनिटाइजेशन और हैंडवॉश की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। केंद्र सरकार ने 20 अप्रैल से बड़े निर्माण कार्यों के लिए छूट देने का विकल्प राज्य सरकारों और जिला प्रशासन को दिया था। एनीआरटीसी ने इसके तहत रीजनल रैपिड रेल कॉरिडोर का

निर्माण करने के लिए गाजियाबाद और मेरठ जिला प्रशासन को आवेदन किया था। दोनों जगहों से अनुमति नहीं मिल रही है। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने उन्होंने एसओपी के साथ आवेदन किया था। एसओपी में कोरोना संक्रमण से बचाव के हर उपाय को शामिल किया गया है। डॉक्टर और अन्य विशेषज्ञों की राय से इसे तैयार किया गया है। एनसीआरटीसी अधिकारियों ने बताया कि जब भी काम शुरू होगा, कर्मचारियों के बीच पर्याप्त दूरी रहेगी। कर्मचारियों और मजदूरों को स्कैनिंग करके ही काम पर लिया जाएगा। इसके अलावा अन्य सावधानियां बरती जाएंगी। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के बीच टेंडर के निर्णय कर रहे हैं, ड्राइंड और डिजाइन फाइनल किए जा रहे हैं और शटरिंग को लेकर मैथड स्टेटमेंट तय किए जा रहे हैं।

## जीडीए ने जारी की रिपोर्ट, 166 सोसायटी और योजनाएं हो रही सैनिटाइज

गाजियाबाद : गुप हाउसिंग और आवासीय योजनाओं को सैनिटाइज कराने के संबंध में जीडीए ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट जारी की है। उसमें बताया है कि प्राधिकरण के विकास क्षेत्र में 166 योजनाएं हैं, जिनमें लोग रह रहे हैं। सबको आरडब्ल्यूए और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के माध्यम से नियमित रूप से सैनिटाइज कराया जा रहा है। लगातार आ रही शिकायतों के कारण जीडीए ने यह रिपोर्ट जारी

की है। जीडीए के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक सोसायटी और योजना में सैनिटाइजेशन के दौरान का वीडियो बनाया गया है और फोटो खींची गई हैं। जीडीए के ट्विटर हैंडल पर कुछ लोग प्लैट तक सैनिटाइज कराने की मांग कर रहे हैं। जीडीए की तरफ से उन्हें जवाब दिया गया है कि यह काम प्लैट मालिक को स्वयं करना होगा। जीडीए बिल्डर, आरडब्ल्यूए और एओए के माध्यम से ओपन एरिया को सैनिटाइज करा जाएगा।

## रामप्रस्थ कॉलोनी में काम करने पहुंची घरेलू सहायिकाएं, हुआ हंगामा

साहिबाबाद : लिंक रोड थाना क्षेत्र स्थित रामप्रस्थ कॉलोनी में शुक्रवार सुबह काम करने पहुंची घरेलू सहायिकाओं का स्थानीय निवासियों ने विरोध किया। इस पर हंगामा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घरेलू सहायिकाओं को वापस भेजकर मामले को शांत कराया। रेलवे लाइन वाले रास्ते को सील कर दिया। स्थानीय निवासियों ने हंगामा के दौरान घरेलू सहायिकाओं पर पथराव करने का भी आरोप लगाया लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई। रामप्रस्थ कॉलोनी में महाराजपुर में रहने वाली महिलाएं घरेलू सहायिका का काम करती हैं। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे घरेलू सहायिकाएं रेलवे लाइन वाले रास्ते से कॉलोनी के कुछ

घरों में काम करने पहुंच गईं। कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव के खतरे की संभावना को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने उनका विरोध किया। मामला बढ़ गया और हंगामा खड़ा हो गया। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद डॉ. राकेश कुमार मिश्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। घरेलू सहायिकाओं को वापस भेजा और लॉकडाउन का उल्लंघन नहीं करने का निर्देश दिया। सीओ डा. राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया। लोगों को लॉकडाउन का उल्लंघन नहीं करने का निर्देश दिया। पथराव नहीं हुआ है। रास्ते को सील कर दिया गया है।

## पसौंडा में लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई

साहिबाबाद : शुक्रवार को छह डॉक्टरों की टीम पसौंडा पहुंची। डॉ. आरके शर्मा ने बताया कि टीम ने दर्जनों लोगों को स्क्रीनिंग की गई। लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा है। लोगों के शरीर का तापमान सामान्य रहा। वहीं, दूसरी ओर इंदिरापुरम की अहिंसा खंड दो स्थित एग्जॉक्टिका एलिंगेंस सोसायटी में एक व्यक्ति को कोरोना की पुष्टि हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने परिवार का भी संपल लिया था। अभी परिवार की रिपोर्ट आनी बाकी है। वहीं, सोसायटी में लोग पूरी एहतियात बरत रहे हैं।

## फेडरेशन ने डाक्टरों से की वीडियो कांफ्रेंसिंग

साहिबाबाद : फेडरेशन ऑफ एओए के पदाधिकारियों ने कई डॉक्टरों के साथ बृहस्पतिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग की। इस दौरान एओए पदाधिकारियों ने डॉक्टरों से कोरोना वायरस के संक्रमण से जुड़े सवाल भी पूछे। डॉक्टरों ने कहा की लोगों को संयम बरतने की जरूरत है। लॉकडाउन खुलने के बाद भी सामाजिक और शारीरिक दूरी बनाए रहने और सावधानी बरतने की जरूरत होगी वरना संक्रमण फैल जाएगा। फेडरेशन ऑफ एओए के अध्यक्ष अमरीश गर्ग ने डॉक्टरों से सवाल

## सैनिटाइजेशन जारी, सीएफओ की हुई सराहना

साहिबाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से हॉट स्पॉटों व अन्य स्थानों पर बृहस्पतिवार को भी सैनिटाइजेशन हुआ। वहीं, पुलिस महानिदेशक अग्निशमन विभाग डॉ. आरके विश्वकर्मा ने गाजियाबाद में सही तरह से हो रहे सैनिटाइजेशन को लेकर मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील कुमार डेक्सह की सराहना की है। आरके विश्वकर्मा ने सुनील कुमार सिंह को प्रशंसा पत्र भेजा है। उन्होंने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर हॉट स्पॉटों में तात्कालीक व दूरगामी लाभ पहुंचाने के लिए विभाग की ओर से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। सैनिटाइजेशन के कार्य को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए वॉटर मिस्ट वाहनों का भी प्रयोग किया जा रहा है। इसमें सुनील कुमार सिंह की भूमिका अनुकरणीय व सराहनीय है। उन्होंने सुनील कुमार सिंह के उच्च स्तरीय कार्य कुशलता, प्रभावी पर्यवेक्षण, कार्य के प्रति समर्पण भावना की प्रशंसा करते हुए विभाग की ओर से उन्हें बधाई दी है।

## सिनर्जी वेस्ट उठाएगी क्वारंटाइन सेंटर व कोविड अस्पताल का कूड़ा

गाजियाबाद : क्वारंटाइन सेंटर और कोविड अस्पताल से निकलने वाले संपूर्ण कूड़े को बायोमेडिकल वेस्ट माना जाएगा और इसका निस्तारण सिनर्जी वेस्ट ही करेगी। बता दें सरकारी अस्पताल और सभी सीएचसी –पीएचसी का बायोमेडिकल वेस्ट सिनर्जी वेस्ट उठाती है। कोविड अस्पताल और कोरोना सेंटर बनने के बाद से ही यहां के कूड़े के निस्तारण की समस्या आ रही थी। नगर निगम से लेकर, पालिका व पंचायत इसके निस्तारण से इन्कार कर रहे थे। सीएमओ डॉ.

एनके गुप्ता ने बताया कि डीएम अजय शंकर पांडेय से मिलकर इस समस्या के बारे में बताया गया था। बृहस्पतिवार को इस संबंध में बैठक हुई, जिसके बाद सिनर्जी वेस्ट को यह काम दिया गया है। कंपनी को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से कोरोना संबंधी बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर गाइडलाइंस भी बनाकर दी गई हैं। बोर्ड के मुताबिक जिले में 18 मार्च से अभी तक कोविड अस्पताल व क्वारंटाइन सेंटरों से 1.71 टन बायोमेडिकल वेस्ट निकला है।

पूछा कि निजी लैब में मरीज की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आ रही है, जब मरीज की सरकारी लैब में जांच के बाद रिपोर्ट नेगेटिव आई है। ऐसा इंदिरापुरम की एटीएस सोसायटी में महिला की जांच रिपोर्ट में हुआ। इस पर डॉक्टरों ने कहा कि कभी एक केस में ऐसा हो सकता है लेकिन सभी रिपोर्ट में ऐसी गड़बड़ी नहीं हो सकती है। कोरोना की रिपोर्ट को गंभीरता से लेना है। वहीं डॉक्टरों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में जुड़े लोगों से कहा कि अधिकांश मरीजों में कोरोना के लक्षण नहीं

दिखाई देते हैं। इसलिए क्वारंटाइन का समय 28 दिन किया गया है। ऐसे में डॉक्टरों ने लोगों से घर में रहने, समय समय पर हाथ धोने, मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की। वहीं, फेडरेशन के संरक्षक आलोक कुमार के एक सवाल में डॉक्टरों ने कहा कि मरीज किसी निजी अस्पताल में कोरोना का इलाज कराने न जाएं। सबसे पहले कोविड-19 अस्पताल में जाएं। जरूरत पड़ी तो सरकार ही निजी अस्पताल में मरीजों को इलाज के लिए भेजेगी।



**हाथ जोड़कर निवेदन है**

**मास्क या कोई और सामान इधर-उधर ना फेंके**



**अगर यह महामारी जानवरों में फैल गई तो इसको रोकना असंभव होगा।**

**कृपया ध्यान रखें**

*Rtn. Manisha Bhargava & Dr. Dheeraj K. Bhargava*



## डीएम ने ली समस्याओं को लेकर उद्यमियों के साथ बैठक

गाजियाबाद : औद्योगिक इकाईयों की समस्या के संबंध में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट सभागार में उद्योग संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उनकी समस्याएं सुनी। जिलाधिकारी ने सभी को आश्वासन दिया है कि औद्योगिक इकाईयों में आने वाली सभी प्रकार की समस्याओं का प्रशासन निस्तारण कराएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों को अगवत कराया कि शासन की मंशा के अनुरूप 20 अप्रैल से औद्योगिक इकाईयों के संचालन की अनुमति दी जानी थी लेकिन जिले में 10 से अधिक व्यक्ति कोरोना संक्रमित होने के कारण



अग्रिम निर्देशों तक किसी भी प्रकार की नई औद्योगिक व्यवसायिक गतिविधि के संचालन की अनुमति पर रोक लगाई गई। उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र ने बताया कि जिले में जैसे ही स्थितियां सामान्य होंगी तो औद्योगिक इकाईयों को ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन लेकर अनुमति दी जाएगी। ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त होने पर उसका परीक्षण कर इकाई संचालन के संबंध में लिए गए

निर्णय की सूचना पोर्टल के माध्यम से उद्यमियों को उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके लिए किसी भी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है और न ही इसमें कोई शुल्क व फीस का प्रावधान है। इस पोर्टल पर आवेदन करते समय और इकाई के संबंध में कोई जानकारी लेने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9958663761 शुरू किया जाएगा।

## कोरोना से जंग के लिए तीन महीने का प्लान तैयार, 54 लाख का बजट रिलीज

गाजियाबाद : जिले में कोरोना से जंग लड़ने के लिए अब आउटसोर्सिंग के दो सौ टीमों बनाई जाएंगी। इनमें से कुछ टीमों को कोरोना संदिग्धों का सैंपल लेंगी, आइसोलेशन वार्ड में रहेंगी और सर्विलांस का काम करेंगी। एक टीम में तीन कर्मचारी रखे जाएंगे। इन टीमों में शामिल कर्मचारियों को वेतन से अलग सौ रुपये प्रति दिन इंसेंटिव दिया जाएगा। सुपरवाइजर को डेढ़ सौ रुपये रोज इंसेंटिव मिलेगा। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक विजय विश्वास पंत ने आदेश जारी किया है। इस आदेश पर तीन माह का प्लान तैयार कर लिया गया है। सीएमओ डॉ.

एन के गुप्ता ने आदेश मिलने की पुष्टि के साथ बताया कि कुछ कर्मचारी पहले से ही आउटसोर्सिंग के जरिए कार्यरत हैं। कुछ नई नियुक्तियां जल्द की जाएंगी। इसके लिए 54 लाख का बजट रिलीज किया गया है। गठित दो सौ टीमों में रोजाना छह सौ कर्मचारी होंगे। उन्हें इंसेंटिव दिया जाएगा। पांच टीमों पर एक सुपरवाइजर होगा। इस हिसाब से रोज 40 सुपरवाइजरों को डेढ़-डेढ़ सौ रुपये प्रति दिन इंसेंटिव दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीम में शामिल किए जाने पर उन आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को भी इंसेंटिव मिलेगा, जो पहले से कार्यरत हैं।

## मोबाइल शॉप संचालक के खाते से उड़ाए 15 हजार

लोनी : साइबर ठगों ने बृहस्पतिवार रात मोबाइल शॉप संचालक के करंट एकाउंट से 15 हजार रुपये उड़ा लिए। मोबाइल पर मैसेज आने पर उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चला। पीडित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गिरी मार्केट कालोनी निवासी प्रमोद कुमार की मेन बाजार के पास चंदा एंड वर्मा कम्युनिकेशन के नाम से दुकान

है। शुक्रवार सुबह उन्होंने अपने मोबाइल पर दो मैसेज देखे। जिससे उन्हें पता चला कि उनके खाते से 15 हजार रुपये उड़ा लिए गए हैं। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह भड़ाना का कहना है कि पीडित की शिकायत साइबर सेल को भेजी जा रही है। साइबर सेल की मदद से ठगों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

## महिला पर कुत्ते ने किया हमला

साहिबाबाद : बृज विहार सी-ब्लॉक में कुत्ते ने एक महिला को काट लिया। महिला घर के बाहर कूड़ा गाड़ी का इंतजार कर रही थी। इस दौरान कुत्ते ने महिला को काटा। स्वजनों ने महिला को डॉक्टर के पास ले जाकर उपचार दिलाया। गंगाश्री बृज विहार के सी-ब्लॉक में रहती हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को गंगाश्री घर के बाहर कूड़ा गाड़ी का इंतजार कर रही थी। एक कुत्ता उनकी ओर तेजी से बढ़ा। उन्होंने कुत्ते

को हटाना चाहा। इस दौरान कुत्ते ने उनके पैर में काट लिया। महिला के स्वजन दौड़े तो कुत्ता वहां से भाग खड़ा हुआ। इसके बाद महिला को इलाज के लिए ले जाया गया। कुत्ते के काटने के बाद से गंगाश्री घबराई हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि खाना न मिलने से कुत्ते हमला कर रहे हैं। इससे पहले भी लॉकडाउन के बीच कुत्ते कई लोगों को काट चुके हैं। इसकी नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की गई है।

## लैब टेक्नीशियनों ने रहने और खाने की व्यवस्था करने की मांग रखी

गाजियाबाद : कोरोना महामारी में सर्वे और सैंपल के काम में लगे लैब टेक्नीशियनों ने रहने और खाने का प्रबंध करने की मांग की है। उनका कहना है कि वे लगातार कोरोना संदिग्धों और हॉटस्पॉट में आते-जाते हैं। ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौटना पड़ता है। ऐसे में परिवार को वायरस के संक्रमण का खतरा है। लैब टेक्नीशियनों ने सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता को पत्र लिखकर जल्द से जल्द व्यवस्था करने की मांग की है। ऑल इंडिया टीबी एंक्लाइज एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री

संजय यादव ने बताया कि एसोसिएशन ने इसके लिए पहले ही शासन को पत्र लिखा था। राहत की बात है कि बृहस्पतिवार को ही प्रमुख सचिव की ओर से निर्देश दिया गया है कि कोरोना संदिग्धों के सैंपल लेने वाले लैब टेक्नीशियन के लिए भी एक्टिव व पैसिव क्वारंटाइन की व्यवस्था सीएमओ सुनिश्चित करेंगे। मगर गाजियाबाद में सिर्फ कुछ स्टाफ के लिए ही यह व्यवस्था की गई है। दीपक शर्मा, नवाब अली, लखन, अवधेश द्विवेदी, यतिन कुमार, सर्वेश कुमार यादव, देवेन्द्र व अमित की

## तेंदुए का बच्चा मिलने की सूचना से हड़कंप

लोनी : ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात तेंदुए का बच्चा मिलने की सूचना से क्षेत्र और अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तेंदुए के बच्चे की सूचना पर देर रात वन विभाग की टीम उसकी तलाश शुरू की। शुक्रवार शाम तक तलाश जारी रही। बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर सी ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में तेंदुए के बच्चा देखे जाने की सूचना लोगों ने पुलिस और वन विभाग की टीम को दी। सूचना पर देर रात वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के बच्चे की तलाश शुरू की। वन विभाग के सेक्शन अधिकारी चंदन सिंह रावत का कहना है कि तेंदुए के बच्चे का अकेला मिलना संभव नहीं है। अगर वह होगा तो अपनी मां के साथ होगा। हालांकि अभी तक उसके आने का कोई सुराग नहीं लगा है। फिर भी तलाश की जा रही है।

## युवती के साथ अभद्र व्यवहार का आरोप

कौशांबी : थाना क्षेत्र की एक सोसायटी में कुत्तों को मारने – पीटने और विरोध करने पर युवती के साथ अभद्र व्यवहार करने का मामला प्रकाश में आया है। युवती की शिकायत पर तीन नामजद सहित चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

इसका विरोध करते हैं। कुत्तों को लोहे की राड से पीटा है। विरोध करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार की है। उनकी शिकायत पर सोसायटी निवासी तीन लोग व एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।



Tirupati Balaji  
Advertising & Marketing



TIRUPATI BALAJI CHRONICLE  
GHAZIABAD First Hindi / ENGLISH  
(Bilingual) WEEKLY Newspaper



Rotary  
R.I. District - 3812



Rotary  
Club of Indrapuram Ghore  
Club ID : 87996





भगवान  
श्री परशुराम  
जन्मोत्सव

की हार्दिक बधाई  
एवं अग्रिम शुभकामनाएं

कृपया आपसे अनुरोध है कि लॉकडाउन  
का पूर्ण तरह से पालन करें।

KEEP SOCIAL DISTANCE

Stay Home... Stay Safe...

Rtn. Manisha Bhargava &  
Dr. Dheeraj K. Bhargava



**EDITORIAL****Protection for protectors: On safety of healthcare workers**

Since the first case of novel coronavirus infection in India was reported in end-January, many healthcare workers have been subjected to abuse and violence in the line of duty. Most of the attacks have been on healthcare personnel sent to localities to collect samples from people who are suspected to have been infected or have come in contact with those who have tested positive for the virus. Some doctors returning home from duty have been prevented from entering their homes and in some cases, even asked to vacate their premises. While such acts have been widely condemned, nothing much changed on the ground. The dastardly act of a few people in Chennai who not only attacked healthcare workers but also prevented a decent burial of a neurosurgeon who died of COVID-19 complications on April 19 shook the nation's conscience. Though belated, the Union Cabinet's decision to promulgate an ordinance to amend the Epidemic Diseases Act, 1897 to make acts of violence against medical personnel a cognisable and non-bailable offence and also provide compensation in case of injury or damage or loss to property is thus commendable.

Very often, the abuse and violence against healthcare workers after the outbreak of COVID-19 in the country has been due to fear and ignorance. The communal colour given to the COVID-19 epidemic after the large religious congregation was held in mid-March by the Tablighi Jamaat in Nizamuddin, Delhi initially led many in the community to avoid coming forward to get tested. In many cases, the fear of stigma and isolation resulted in attacks on healthcare workers who had gone to collect samples from those who were part of this congregation. In other instances, the wrong messaging that getting infected by the virus meant certain death, in order to achieve maximum compliance with the shutdown, unwittingly led to a fear psychosis. Negative messaging, especially of the kind that induces fear and stigma, has always been counterproductive, as seen in the early days of the HIV/AIDS awareness campaign in the country. Awareness-building exercises became easier and more effective when negative messaging and stereotyping about HIV/AIDS was shunned. Doctors, nurses and other healthcare workers who are forced to work long hours treating patients infected with the highly infectious virus, and even when protective gear in the form of gloves, face mask and personal protective equipment are scarce, need more empathy, compassion, unmitigated support and cooperation from the society. Symbolic gestures such as clapping hands and lighting candles in recognition of their selfless service during these trying times do not bolster their morale as much as understanding and support does.

**-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava**

**दल ने पहुंचाया गोशाला में चार माह का चारा**

लोनी : हिन्दू रक्षा दल ने बृहस्पतिवार को विकास नगर कालोनी स्थित गोशाला में पशुओं के लिए चार माह के चारे की व्यवस्था की। उन्होंने जरूरत पड़ने पर आगे भी व्यवस्था करने की बात कही है। लॉकडाउन में लोग खाद्य सामग्री परेशानी हैं। ऐसे में बेजुबानों जानवरों के लिए भी चारे की समस्या होने की संभावना थी। बृहस्पतिवार दोपहर हिन्दू रक्षा दल के पदाधिकारी विकास नगर कालोनी स्थित बाला जी गोशाला पहुंचे। उन्होंने गोशाला की गायों के लिए चार माह के चारे की व्यवस्था की। हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिकी चौधरी ने कहा कि जिस क्षेत्र में गाय भूखी रहती है। वह क्षेत्र विकासहीन हो जाता है।

**प्रशासन का दावा खाद्यान की पूर्ति में नहीं आने दी बाधा**

गाजियाबाद: कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन का एक माह पूरा हो चुका है। लॉकडाउन के कठिन समय में एक माह के दौरान प्रशासन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान प्रशासनिक अमला जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय के निर्देशन में इस समय को परीक्षा की घड़ी मानते हुए एक पैर पर डटा रहा और लोगों तक सुविधाएं पहुंचाता रहा। प्रशासन ने जरूरतमंद लोगों को ढील देने के साथ लॉकडाउन का जिले में सख्ती से पालन कराया। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि 24 मार्च को लॉकडाउन लागू होने के बाद प्रशासन के सामने कोरोना संक्रमण को रोकने के साथ ही लोगों तक आवश्यक वस्तुओं की

उपलब्धता तय करना बड़ी चुनौती थी। प्रशासन ने 613 टेली व ई-रिक्शा वालों की फल व सब्जियों की आपूर्ति के लिए जिम्मेदारी तय की और उन्हें विभिन्न कॉलोनियों और मौहल्लों में रवाना किया। यह व्यवस्था आज तक लागू है और लोगों को घर बैठे हुए सब्जी व फलों की आपूर्ति हो रही है। इसके साथ ही डोर-टू-डोर होम डिलीवरी के लिए प्रशासन ने सुपर स्टोर व संबंधित दुकानदारों, मेडिकल स्टोर संचालकों, डेयरी संचालकों को सूचीबद्ध कर क्षेत्र के हिसाब से इनके नंबर जारी किए और इन सभी के यहां होम डिलीवरी बॉज की व्यवस्था कराई। इसके साथ ही गरीब परिवारों के लिए शासन द्वारा मुफ्त अनाज की

घोषणा होने के बाद 100फीसद राशन कार्ड, अन्त्योदय कार्ड व मनरेगा कार्ड धारकों को राशन उपलब्ध कराया गया। जो लोग कार्ड धारक नहीं थे उनके नामों की सूची तैयार कराकर जांच के बाद उन तक भी खाद्यान का वितरण कराया गया। बाजारों में इस बात का खास ख्याल रखवाया गया कि शारीरिक दूरी का नियम पूरी तरह से बना रहे। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए संबंधित क्षेत्रों को लगातार सैनिटाइज कराया गया और लोगों को जागरुक करने के लिए जागरुकता अभियान चलाए गए। डीएम ने बताया कि प्रशासन के सामने कई बार कठिन समय आया, ऐसे में प्रशासन को कई कठोर निर्णय भी लेने पड़े।

**अब युद्ध स्तर पर चल रहा है सैनिटाइज कराने का काम**

गाजियाबाद : एक माह पहले शहर को सैनिटाइज कराने का काम शुरू हुआ था और अब युद्ध स्तर पर चल रहा है। अभी कई ऐसी कोलोनिया हैं, जहां सैनिटाइज नहीं हुआ है। शासन की तरफ से शहर की कुछ कालोनियों को हॉटस्पॉट घोषित किया था। ऐसे में इन कॉलोनियों को सैनिटाइज करने की निगम की जिम्मेदारी बढ़ गई थी। निगम ने इसमें एनडीआरएफ और दमकल विभाग से मदद मांगी। दमकल विभाग ने सैनिटाइज कराने के लिए अपनी गाड़ियां लगा दी हैं। हॉटस्पॉट क्षेत्र को पूरी तरह सैनिटाइज करा दिया गया। हालांकि कुछ एनजीओ भी सैनिटाइज में निगम की मदद कर रहे हैं। नगरायुक्त दिनेश

चंद्र के मुताबिक सफाईकर्मियों को कोरोना से बचाने के लिए निगम की तरफ सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मेडिकल कचरे के निस्तारण के लिए एक निजी कंपनी को ठेका दिया गया है। यह कंपनी सावधानी से मेडिकल कचरे का निस्तारण कर रही है। हालांकि लॉकडाउन होने पर रोज कमाने और खाने वालों की परेशानी बढ़ गई थी। नगर निगम ऐसे लोगों को चिंहित कर उनकी आर्थिक मदद कर रहा है। सामुदायिक रसोई चलाकर इनके लिए भोजन की व्यवस्था कराई जा रही है। नगर निगम की इस पहल से शहर का कोई व्यक्ति भूखा नहीं रहा। सबको समय पर भोजन मिल रहा है।

**आइएमए के पदाधिकारियों ने की डीएम से मुलाकात**

गाजियाबाद : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय से मुलाकात की और प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद आइएमए के अध्यक्ष डा. वीपी जिंदल और सचिव डा. वानी पुरी रावत ने जिले में कुछ स्थानों का भ्रमण भी किया। दोनों पदाधिकारियों ने प्रशासन की कोरोना को लेकर की गई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त की।

**जेल भेजा**

गाजियाबाद : लॉकडाउन में कोतवाली क्षेत्र में पवन कुमार युवक द्वारा चाय की दुकान खोलने पर उसे जेल भेज दिया गया। चाय को लेकर यहां जमावड़ा लग रहा था।

**Teen cancer patient from Kasganj tests positive in Noida**

**NOIDA:** A 15-year-old cancer patient from Kasganj tested positive for Covid-19 in Noida on Wednesday, taking the total tally to 103. While 59 of the cases are active, 44 patients have recovered. Meanwhile, new guidelines for counting cases came into force on Wednesday. Earlier, a patient with address proof from the district was counted as its positive case, even if he or she tested positive in another city. Now, a person will be added as a positive case in the district where their sampling has been done. Thus, a resident of Delhi or

Ghaziabad who tests positive in Noida will be added to Noida's tally. Delhi has already been adding patients who test positive there to its own tally, irrespective of their residence. Officials said the move aimed at easing data collation at the state and central levels. "We have started implementing the new guidelines from today and will count all patients whose sampling was done here," said district magistrate Suhas LY. Thus, the new case, a 15-year-old girl from Kasganj in UP's Etah district, will be added to Noida's count.

**Noida border firewall makes most, even patients, wait and sweat**

**NOIDA:** As feared, Noida's decision to stop all movement to and from Delhi without screening led to chaos at the borders on Wednesday, especially at the DND Flyway where many people associated with essential services had a harrowing time explaining to police why they needed to travel to the national capital. Bank officials, paramedical staff, security guards, home ministry officials, airport officials and petrol pump dealers were among the hundreds of people stopped by cops, who demanded they show passes.



Now, a robot to assist in giving medicines, food to patients in quarantine wards

**MEERUT:** To limit human interaction in quarantine wards, two residents of Bulandshahr, who are studying in Noida, have come up with an innovative idea of a Corona robot or ‘Cobot’. The ‘Cobot’ will now assist work at quarantine facility in Khurja. The ‘Cobot’ - is in the shape of a trolley with three levels - has a mic and speaker attached. It can move with a remote control to deliver medicines and food to patients inside the home ward, thus limiting the entry of health staff. Nishant Sharma and Atul Kumar are second year engineering students at Sharda University and GL Bajaj Institute of Technology and Management, respectively, and live in Bulandshahr. With both of them being classmates since school, they have in the past, too, come up with such robots. “This time, it was a little different from the past because we were doing this for a cause. Just a few days ago, we had made a robot which would not require a touch to sanitise one’s hands. Now, we have come up with a robot named ‘Cobot’ - which is a three-shelf moving trolley to be used to carry medicines and food for patients inside the quarantine ward, without any human intervention.

Antibody tests on hold till further orders

**NOIDA:** The Covid-19 response team of Gautam Budh Nagar has decided to pause the rapid antibody tests after the Indian Council of Medical Research gave out an advisory to do so. Reports from different parts of the country showed huge variations between rapid antibody test and RT-PCR tests. While RT-PCR tests are effective in detecting the virus, rapid antibody tests have not shown satisfactory results. The Nodal officer of the response team in the district Narendra Bhooshan said the rapid kits had been procured from the Union government and would be used only after ICMR gives a go-ahead after further research.

Sector 19 RWA stalls sealing, says no case

**NOIDA:** The RWA of Sector 19 has objected to the administration’s decision to count the woman who tested positive from their sector on Tuesday, claiming she is not a resident but a relative of a resident of the sector. While the RWA managed to stall the sealing of the sector late Tuesday night, four family members of the patient got tested at a private isolation facility on Wednesday. “There is no Covid case from Sector 19 as was maintained by the health department on Tuesday. The 50-year-old woman, who tested positive and is undergoing dialysis treatment in a private hospital in Vaishali, is a resident of Vaishali and the mother of a resident of our sector. She was only in care of a couple (daughter and son-in-law) who lives on rent here,” RC Gupta, RWA general secretary, told TBC. He added that the reports of the family members are awaited.

Clerics ask Muslims to avoid mass gatherings

**NOIDA:** With the holy month of Ramadan about to begin, Muslim clerics across the district have urged community members to refrain from coming to mosques, which will remain closed for all outsiders. Clerics have also asked people to refrain from mingling with each other, hold the special night prayer taraweeh indoors. Since iftaar parties cannot be held, clerics have also asked people to limit the Iftaar to family members. GB Nagar police, too, have started holding peace meetings with the imams and maulanas across areas with mixed population. Imam Mufti Mubarak of the Noorani masjid in Sector 16, told TBC that the Darul-Uloom Deoband has issued multiple appeals to the masjids and members of the community and also fatwa regarding maintenance of law and order during the month of Ramadan, which starts on April 24.

NCLAT appoints monitoring panel to look after JIL

**NOIDA:** The National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) has ordered the constitution of a monitoring committee for day-to-day governance of Jaypee Infratech Limited (JIL) till the beleaguered real estate company is handed over to NBCC. JIL was till March 3 operated by insolvency resolution professional Anuj Jain. The NCLAT order was passed by its acting chairman Justice Bansi Lal Bhat on Wednesday. Jain, NBCC, and three main JIL lenders will be part of the monitoring committee, the tribunal ordered.



Tirupati Balaji  
Advertising & Marketing



TIRUPATI BALAJI CHRONICLE  
GHAZIABAD First HINDI / ENGLISH  
(Bi-Lingual) WEEKLY Newspaper



Rotary  
R.I. District - 3012



Rotary  
Club of Indrapuram Galore  
Club ID : 87596



Let's Celebrate 50th  
Earth Day to  
Protect Earth



HAPPY  
EARTH DAY  
22 April  
PLANT TREE, SAVE EARTH

**Rtn. Manisha Bhargava**  
CFO - Tirupati Balaji Advertising & Marketing  
Past President - RC of Indrapuram Galore, Resolute Health Awareness Mission (RHAM)  
Mob.: +91 98183732200, 8130640099

**Rtn. Dr. Dheeraj Kumar Bhargava**  
CFO - Tirupati Balaji Advertising & Marketing  
Founder & Chair - Resolute Health Awareness Mission (RHAM)  
Founder - Achiever Bhargava Club, Ghaziabad  
President - Ghaziabad Bhargava Sabha (2016-2019)  
Executive Counsel - All India Bhargava Sabha (2019-2021)  
Editor - Tirupati Balaji Chronicle (Ghaziabad 1st Bilingual Weekly Newspaper)  
Home Club - Rotary Club of Indrapuram Galore Charter President (2016-2017)  
District Chair Thalassemia Committee (2019-2020)  
Best Rotarian of the Year 2017-18 (Dist.-3012)  
Chair - (U.P.) District Polio Challenge Giving  
Chair - District T.B. Awareness (2018-2019)  
Chair - District Maternal & Child Health Committee (2018-2019)  
Chair - Disease Prevention & Treatment Health Camps & Medical Missions (2018-2019)  
Chair - Disease Prevention & Treatment Child / Hyging Awareness (2018-2019)  
Mob.: +91 9810522382, 9818373200

Book Your Advertisement with us  
**Tel.: 09810522380, 09818373200**  
Plot No. 516, Sector-12, Friends Co-operative Society, Near Gate No. 2, Vasundhara, Ghaziabad  
**www.tbam.co.in      www.tbcbgz.com**



# Stopped at border: Lab worker with samples

**NOIDA:** On Thursday, it was a lesson on what constitutes essential services. Hundreds of doctors, paramedics and bank employees all termed essential services by the Centre sweated it out at the border with Delhi as they tried to persuade cops why they should be allowed to cross over. After hours of wait, some were allowed but many were sent back. The cops stationed there warned each commuter to brace for more stringent restrictions from Friday onwards. Caught in the traffic mess was Swati, a lab assistant with a private dispensary working for the Delhi

government. She was on her way to the National Institute of Biologicals in Noida Sector 62 with a set of swab samples. “Waiting for hours can put these samples at risk. Though we are keeping them in an ice box, waiting too long is not good,” Swati said, as she waited in the heat in her protective gear. She was finally allowed to cross over to Noida after intervention by Delhi Police. Anil Kumar, a nursing assistant at Safdarjung Hospital, found it tougher to return home to Noida than the 48 hours he had been working non-stop. “I have little energy to stand and wait.... Why did

they (the Noida administration) not communicate this order to the hospitals in Delhi?” he asked, feebly. Like Kumar, Dr Firoz Pasha, a senior consultant at Apollo Hospitals, had to wait at the border on his return home to Greater Noida’s Sigma 4. Dr Pasha told TBC he lives with his 75-year-old mother and could not afford to leave her unattended for long. “I left my home in the morning and no policeman informed me that I will not be allowed to be back in the evening,” he said. Most commuters complained that despite being part of essential services, they were being

increasingly harassed at the border. Many of them said they had been advised by the cops and some administrative officials to stay back in Delhi from Friday. Some were even told to ask their offices to take them off the roster for the time being. Deepak Kumar, a consultant with a central government agency, said that despite showing a letter of authorisation from the ministry, the cops did not allow him to cross over to Delhi. “I was told to inform my office to take me off duty... the administration’s behaviour with us is awful. They are talking to us as if we are spreading the disease.

## More than half of Noida’s Covid-19 patients have recovered, back home

**NOIDA:** With 10 more Covid-19 patients discharged on Thursday, the number of those who have recovered is now higher than those who are still infected in Noida 54 against 49. The 52% recovery rate of Noida is much higher than the countrywide average of 19.89% and the state average, 12.4%. In fact, Noida alone accounts for 29% of the state’s recovered patients 54 out of 187. “We now have more recovered patients than active ones because of monitoring, early quarantine of contacts and wider sampling,” district magistrate Suhas LY said. And this, despite Noida being the state’s Covid hotspot for a long

time before Agra, Lucknow and Saharanpur shot past it recently. Noida still has among the highest cases 103 of the state’s 1,507. But there has been no death reported. “Most patients have been either asymptomatic or have had mild symptoms,” a health official said. The age profile of patients has helped about 63% of the patients have been younger than 40. And while one cluster of cases, the one from the Cease Fire company, made the Covid numbers shoot up, no other large cluster has emerged so far. “Better contact tracing and containment of the first few cases helped control the Cease Fire chain.

## Noida proposes real-time contact-tracing platform

**NOIDA:** To streamline the process of contact tracing for Covid-19 cases, Noida officials have proposed a real-time online platform where data is shared by all NCR cities. “The process we follow now goes like this when a case is reported, we notify related districts on email, after which contact tracing begins. This process can be a lot faster if it is done in real-time, so there can be early containment of contacts,” said Narendra Bhooshan, nodal officer for the Noida’s Covid-19 response. The suggestion is that the moment a case is reported, all

information about the patient is uploaded onto a platform which Noida, Ghaziabad, Delhi, Gurugram, Faridabad and nearby UP districts can access. Each district can then get to work, figuring out the chain of contact. The proposal has been placed before the state government and the Centre. “Borders between NCR cities and neighbouring UP districts are fluid anyway. Most involve daily travel. This would help connect the missing links in the contact chain faster,” an official said. In the past, a lot of time has been lost in contact tracing.

## Noida to tighten curbs, prune pass-holders’ list

**NOIDA:** Scores of healthcare professionals, among them doctors who had to urgently see patients, spent hours on either side of the Delhi-Noida border on Thursday, pleading to be let through, as stringent curbs on movement ordered by the Noida administration continued for the second day. There will be, however, no relaxation. Curbs on movement across the border with Delhi will get more stringent from Friday, with the Noida administration saying it will prune the list of officials and healthcare workers who already have passes issued by the Delhi or UP governments.

The Noida administration has also asked the UP government to explore the option of providing accommodation in Delhi to doctors and healthcare workers who live in Noida but work in the national capital so that they don’t have to travel home to Noida every day. The decision was taken at a meeting of key officials of the Covid response team, representatives of the Noida administration and police on Thursday afternoon. Sources said that from Friday, the administration was planning to allow only 10% of the vehicles that are being given the green signal now. So, only

ambulances, essential goods carriers, frontline healthcare workers and media personnel would be allowed to move back and forth from the district. “I want to clarify that those involved with Covid-19 duties and services, whether private individuals or government employees, will be allowed to move in and out only after proving their credentials. Merely holding passes issued by the Delhi or UP governments or those who fall under the exempted category will not be entertained. They will have to produce an authorisation letter from competent authorities in

Gautam Budh Nagar,” district magistrate Suhas LY said. The DM asserted that the change in rules was in keeping with the Union home ministry’s guidelines. He said the advisory issued by the Centre on April 19 allowed state governments and local administrations to decide their own plan of action on how to arrest the spread of Covid-19. But getting an authorisation letter at a time when the administration is planning to trim the list of officials who will be allowed to cross will be easier said than done. “We are in the process of pruning the list.

हेल्प लाईन नंबर	
गाजियाबाद प्रशासन	
डीएम –	2824416
आवास –	2820106
एडीएम (सिटी) –	2828411
एडीएम (प्रशासन) –	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट –	2827365
आयकर विभाग–	2714144
पासपोर्ट कार्यालय–	2721779
पुलिस अधिकारी	
एसएसपी –	2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–	2854015
पुलिसअधी. यातायात–	2829520
सीओ प्रथम–	2733070
सीओ द्वितीय –	2791769
सीओ एलआईयू–	2700925
सीओ लोनी–	3125539
जीडीए	
उपाध्यक्ष जीडीए –	2791114
जीडीए सचिव –	2790891
अस्पताल	
सी.एम.ओ. –	2710754
सी.एम.एस. –	2730038
आपातकालीन –	2850124
कोलम्बिया एशिया –	3989896
यशोदा अस्पताल–	2750001–04
गणेश अस्पताल –	4183900
संतोष अस्पताल –	2741777
सर्वोदय अस्पताल –	2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल	2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस)	2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस)	2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल	4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर	43075600
बीएसएनएल	
जीएम	2755777
अग्निशमन विभाग	
नगर कन्ट्रोल रूम –	2734906
कोतवाली –	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –	2766898
पुलिस स्टेशन	
एसएचओ इंदिरापुरम–	9643322921
एसएचओ खोड़ा–	9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद–	9643322923
एसएचओ लिंक रोड–	9643322924
कोतवाली –	2732088
सिहानी गेट –	2791627
कविनगर –	2711843
विजयनगर –	2740797
इंदिरापुरम –	2902858
लोनी –	2600097
अग्निशमन विभाग	2732099
	9818702101
रेलवे इन्कवायरी	131
नगर निगम	
नगरायुक्त–	2790425,2713580
विद्युत विभाग	
मुख्य अभियंता –	2821025
पूछताछ	
रेलवे कस्टमर –	2797840, 139
रिजर्वेशन –	8888
रोडवेज इन्कवायरी	2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार,  
विज्ञापन के लिए  
सम्पर्क करें।  
**Phone No.:**  
**0120-4561000**



## आदेश का उल्लंघन कर विद्यालयों ने की अभिभावकों से फीस की मांग

गाजियाबाद : जिलाधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के बाद भी कई विद्यालय अभिभावकों से फीस और फर्स्ट क्वार्टर फीस की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने डीआइओएस को लिखित में शिकायत दी। डीआइओएस ने आश्वासन दिया है कि किसी भी विद्यालय की ओर से फीस के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों को नोटिस जारी किया जाएगा नहीं मानने पर कार्रवाई की जाएगी। एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी ने बताया कि निजी विद्यालय की ओर से आदेश का उल्लंघन कर फर्स्ट क्वार्टर की फीस की मांग की जा रही है। कई विद्यालय लगातार

अभिभावकों से मेल और व्हॉट्सएप के माध्यम से फीस का मांग कर रहे हैं। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक से शिकायत की है तो वहीं अभिभावकों का कहना है कि एनएच-24 स्थित द गुरुकुल स्कूल में परिवहन फीस नहीं ले रहे, लेकिन दूसरी मद में अभिभावकों से फीस की मांग की जा रही है। स्कूल प्रबंधन की ओर से लैब फीस और परीक्षा फीस की अभिभावकों से मांग की जा रही है। इसके अलावा फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। द गुरुकुल स्कूल प्रबंधन की प्रतिनिधि पारुल चौधरी का कहना है कि अभिभावकों से केवल प्रोवीजनल फीस मांगी गई थी। अभिभावकों पर किसी भी तरह का कोई दबाव नहीं है जो सक्षम हैं और फीस देना चाहते हैं वह फीस दे

सकते हैं और जो लॉकडाउन में फीस नहीं देना चाहते उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं है। फीस का संरचना जनवरी में ही बना ली जाती है। लैब फीस और परीक्षा फीस भी पहले ही निर्धारित की गई थी जब पता नहीं था लॉकडाउन हो जाएगा, लेकिन अब शासन के निर्देश के अनुसार ही फीस के स्ट्रक्चर को अपडेट किया जाएगा। स्कूल की ओर से किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। इसके अलावा इंदिरापुरम स्थित प्रेसीडियम स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र कुमार का कहना है कि अभिभावकों पर फीस जमा करने के लिए कोई दबाव नहीं है। लॉकडाउन में सभी विद्यार्थियों को लगातार ऑनलाइन क्लासेज दी जा रही हैं।

## संक्रमण रोकने के लिए दिल्ली की सीमाएं सील, पासधारकों को मिला प्रवेश

साहिबाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए बृहस्पतिवार को दिल्ली की सीमाएं सील रहीं। दिल्ली से गाजियाबाद में आवाजाही पर पूरी तरह से (आवश्यक वस्तुओं व अपरिहार्य कारणों व वैध पास को छोड़कर) पाबंदी रही। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने मंगलवार से दिल्ली से आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। यूपी गेट, भोपुरा, महाराजपुर, सूर्य नगर, शालीमार गार्डन, खोड़ा व लोनी स्थित दिल्ली की सभी सीमाएं सील हैं। बैरियर लगाकर पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। जांच-पड़ताल बाद आवश्यक वस्तुओं, अपरिहार्य कारणों व वैध पास वालों को ही आवागमन करने दिया जा रहा है।



बृहस्पतिवार को भी सीमाओं पर जांच-पड़ताल के बाद ही वैध लोगों को आवागमन करने दिया गया। हालांकि बैंक, आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारी, चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों, जिन्होंने ऑनलाइन पास के लिए अप्लाई कर दिया है, उन्हें पहचान पत्र देकर आवागमन करने दिया गया। वहीं, यूपी गेट पर दिल्ली से आने वाले एंबुलेंस व जरूरी सामान के भारी वाहनों को गुजारने के लिए यूपी गेट फ्लाईओवर के एक लेन खोला गया।

## सिपाही पर डाटा चुराने का आरोप, ट्विटर पर शिकायत

खोड़ा : साल-2018 में खोड़ा थाना में तैनात एक सिपाही पर हत्या के प्रयास मामले के गवाह के मोबाइल से डाटा व व्यक्तिगत सूचनाएं चोरी करने का आरोप लगा है। इसकी पुलिस के आलाधिकारियों से शिकायत हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदिरापुरम मामले की जांच कर रही हैं। आफताब अली ने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पुलिस, आईजी रेंज मेरठ व लखनऊ को ट्वीट कर शिकायत की है। उन्होंने कहा है कि वह हत्या के प्रयास के मामले में गवाह हैं। खोड़ा थाना में साल-2018 में तैनात एक सिपाही ने उनके मोबाइल से डाटा व व्यक्तिगत सूचनाएं चुरा ली हैं। सूचनाओं को उनके दुश्मनों को दे दी है। उनके दुश्मन उन्हें धमकियां दे रहे हैं।

## आध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज में बनेगी अस्थाई जेल

गाजियाबाद : डासना स्थित आध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज में प्रशासन द्वारा अस्थाई जेल बनाई जाएगी। इस जेल में ऐसे बंदियों को रखा जाएगा तो पिछले कुछ समय पहले विदेश यात्रा कर चुके हैं और पिछले दो माह से डासना जेल में बंद हैं। कोरोना वायरस का संकट रहने तक यह जेल संचालित रहेगी और इसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय व एसएसपी कलानिधि नैथानी ने अस्थाई जेल के लिए आध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय व एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बृहस्पतिवार को जिले में कोरोना के चलते



प्रशासन की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न पुलिस चौक पोस्ट, आध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज डासना को प्रस्तावित अस्थाई जेल बनाए जाने के लिए निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने एसएसपी से अस्थाई जेल बनाने के लिए सभी अहम बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि वह प्रस्तावित

अस्थाई जेल की मजबूत तरीके से चारों ओर से बैरीकेडिंग कराएं। जिलाधिकारी ने मुख्य अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि वह आध्यात्मिक नगर इंटर कॉलेज में विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। मौके पर उपस्थित अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत डासना को निर्देश दिए कि वह प्रस्तावित जेल परिसर के अंदर व बाहरी क्षेत्र को पूरी तरह से सैनिटाइज करा लें।

## बिजली गुल होने से रात में परेशान हुए लोग

साहिबाबाद : इंदिरापुरम के विभिन्न इलाकों में बृहस्पतिवार दिन में और बुधवार रात बिजली कटौती के कारण लोगों को परेशान होना पड़ा। लोगों की शिकायत पर बिजली आपूर्ति सुचारू की गई। बिना पूर्व सूचना के बिजली कटौती से लोगों में आक्रोश है। लॉकडाउन में लोग घर में हैं। ऐसे में बिजली गुल होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इंदिरापुरम के नीति खंड एक में रहने वाले राकेश कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन घंटे तक बिजली कटौती रही। इस दौरान एसी, फ्रिज व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बंद रहे, जिससे परेशान होना पड़ा।

## ई-रिक्शा में खेलते समय रस्सी का फंदा लगने से मासूम की मौत

लोनी : टीला मोड़ थाना क्षेत्र की कृष्णा विहार कुटी कालोनी में बृहस्पतिवार दोपहर ई-रिक्शा पर खेलते समय रस्सी का फंदा लगने से मासूम की मौत हो गई। स्वजनों ने दुर्घटना मानते हुए पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में गम का माहौल है। मूलरूप से निस्तौली ब्लाक लोनी के रहने वाले कैब चालक जयवीर पिछले 20 वर्ष से कृष्णा विहार कुटी कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं। उनके परिवार में पत्नी अमिता और दो बेटे मन्नु और लक्की (6) हैं। उनका एक ई-रिक्शा घर के बाहर गली में खड़ा था। बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन बजे लक्की ई-रिक्शा पर खेलने लगा। खेल

के दौरान ई-रिक्शा में बंधी रस्सी से उसके गले में फंदा लग गया। जिससे उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। पड़ोसियों ने बच्चे को देखकर स्वजनों को घटना की जानकारी दी। स्वजन आनन फानन में पड़ोसियों की मदद से बच्चे के गले से फंदा निकालकर उपचार के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। टीला मोड़ थाना प्रभारी निरीक्षक रणसिंह का कहना है कि मृतक के स्वजनों ने घटना की जानकारी दी है। लेकिन स्वजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। यदि स्वजन तहरीर देते हैं तो जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

## संत शिरोमणी सैन महाराज की 720 जयंती मनाई, खाना भी बांटा



गाजियाबाद : भारतीय सैन समाज ने 19 अप्रैल रविवार को संत शिरोमणी जी सैन महाराज की 720वीं जयंती मनाई और देशवासियों को शुभकामनाएं दी। गाजियाबाद विजय नगर में सैन चौक पर गाजियाबाद जिला अध्यक्ष चमन सिंह सैन द्वारा लॉकडाउन में सरकारी आदेशों का पालन करते हुए सैन जी महाराज की फोटो पर पुष्प अर्पित करते हुए सैन जी महाराज से प्रार्थना की।



जिलाध्यक्ष ने बताया कि कोरोना जैसी महामारी से ज्यादातर सैन समाज के गरीब परिवार जो रोज कमाने खाने वाले लोग कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं उनकी समस्या के निराकरण के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। रोजाना फोन पर संपर्क कर राहत सामग्री आटा, चावल, दाल आदि पहुंचाने का कार्य चल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल सैन ने बताया कि सैन चौक पर घर पर

खाने के पैकेट बनाकर जरूरतमंद लोगों को खाना वितरित किया गया। साथ में सतीश कुमार सैन, प्रदेश सचिव उग्र सतीश भारती, जिलाध्यक्ष एमसीए विजय कुमार सैन, पूर्व पार्षद प्रत्याशी बसपा आदि साथ रहे। थाना विजय नगर चौक पर पुलिस प्रशासन के सहयोग से लाइन लगाकर खाने के पैकेट, हलवा, पुड़ी, सब्जी, चावल, रोटी आदि का वितरण किया गया।



## कोरोना से जंग में पीड़ितों की सहायता को लोगों ने बढ़ाए हाथ

गाजियाबाद : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी जिसने समस्त संसार में प्रलय का रूप धारण कर लिया है। आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के सामने अत्यंत भयानक स्थिति पैदा हो गई है। इस मुश्किल वक्त में अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाहन करने के लिए कौशांबी गाजियाबाद स्थित आयुर्वेद लिमिटेड संस्थान ने कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में एक करोड़ रुपये जमा कराए हैं। आयुर्वेद लिमिटेड पिछले 28 वर्षों से कृषि व पशुपालन जगत की निरंतर सेवा में कार्यरत है। संस्थान द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक पशु औषधि ने देश और विदेश में किसान भाईयों की खुशहाली और

साथ में उनके पशुओं को स्वस्थ रखने में सहायक रही हैं। पारंपरिक ज्ञान, आधुनिक अनुसंधान द्वारा पशु औषधि में आयुर्वेद ने अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संस्थान के मानव संसाधन प्रमुख विजय प्रताप सिंह ने कहा कि आयुर्वेद लिमिटेड कोरोना महामारी के खिलाफ युद्ध में देश के साथ है और हर मुमकिन मदद के लिए तैयार है। वहीं, थॉम्सोनियोयन क्लब वेलफेयर सोसायटी (एल्युमनी ऑफ आईआईटी रुड़की) गाजियाबाद की ओर से प्रधानमंत्री राहत कोष में 1 लाख 57 हजार 501 रुपये कोरोना पीड़ितों के लिए अनुदान किया गया। क्लब संरक्षक आरसी जैन, अध्यक्ष एसएल गोयल ने योगदान की सराहना की।

## सोशल मीडिया पर अपलोड की भ्रामक वीडियो तो दर्ज होगी एफआइआर

गाजियाबाद : जिले में कोरोना वायरस की रोकथाम के उद्देश्य से बनाए गए क्वारंटाइन सेंटरों की लगातार वायरल हो रही वीडियो पर प्रशासन ने सख्त निर्णय लिया है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने आदेश जारी कर दिए हैं। यदि किसी के द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो अपलोड की गई तो संबंधित के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि हाल में ही क्वारंटाइन सेंटर की ऐसी वीडियो वायरल की गई है, जिसमें प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के बारे में भ्रामक बातें कही गई हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी भ्रामक वीडियो वायरल करने वालों को चिह्नित कर रिपोर्ट दर्ज होगी।

## बिना जरूरत राशन मांगा तो दर्ज की जाएगी रिपोर्ट, डीएम ने दिए आदेश

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के चलते जिले में लागू लॉकडाउन के दौरान बिना जरूरत के राशन मांगने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रवैया अख्तियार किया है। जिलाधिकारी के आदेश के बाद ऐसे कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ला को निर्देश दिए हैं कि यदि कोई व्यक्ति बिना जरूरत के खाद्यान व राशन मांगता है तो उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि प्रशासन द्वारा लोगों की मदद से प्रतिदिन 1.40 लाख राशन के पैकेटों का वितरण कराया जा रहा है। ऐसे में लोगों तक

भोजन भी पहुंचाया जा रहा है। कई लोग बिना जरूरत के भी राशन के लिए फोन कर रहे थे और शिकायत कर रहे थे कि उन तक राशन नहीं पहुंच रहा। उन्होंने बताया कि निवासी हरेंद्र कुमार ने कंट्रोल रूम पर शिकायत दर्ज कर 30 व्यक्तियों के लिए राशन की मांग की। जांच में पाया गया कि हरेंद्र के पास हापुड़ की धौलाना तहसील से एक दिन पहले ही 30 किलो राशन पहुंच चुका है। इसके बावजूद उसने जमाखोरी की नियत से कंट्रोल रूम से राशन की मांग की। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के समय आपदा प्रबंधन अधिनियम का उल्लंघन करने पर हरेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं।



**Rotary**  
R.I. District - 3012



**Rotary**  
HEALTH AWARENESS MISSION



ROTARY  
CONNECTS  
THE WORLD  
2019 - 20

# ROTARY CLUB OF INDIRAPURAM GALORE

## CORONA VIRUS SAFETY COVID-19

### Do not panic unnecessarily... Do not spread rumours...



**Disinfect surfaces  
around your  
home and work**



**Wash your hands  
for at least  
20 seconds**

Symptoms of Novel Corona Virus (COVID-19)



**COUGH**



**HIGH FEVER**



**HEADACHE**



**SORE THROAT**

Prevention of Novel Corona Virus (COVID-19)



**WASH YOUR  
HANDS OFTEN**



**WEAR A  
FACE MASK**



**AVOID CONTACT  
WITH SICK PEOPLE**



**ALWAYS COVER YOUR  
COUGH OR SNEEZE**

**Plot No. 516, Sector-12, Friends Co-operative Society,  
Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012**

**Dr. Dheeraj Kumar Bhargava Mob.: 9871895198**

**Poonam Bala, Khushal Chopra, Prateek Bhargava,  
Suneel Gautam, Manisha Bhargava, Amit Kansal,  
Pankaj Saxena, Sandeep Indoria, Arun Kumar,  
Pankaj Bansal, Kunika Bhargava, Aproova Raj,  
Chandan Singhal, Saurabh Pandey, Sandeep Indoria,  
Arun Kumar, Sameer Anand, Mayank Bhargava, Nidhi Thareja**